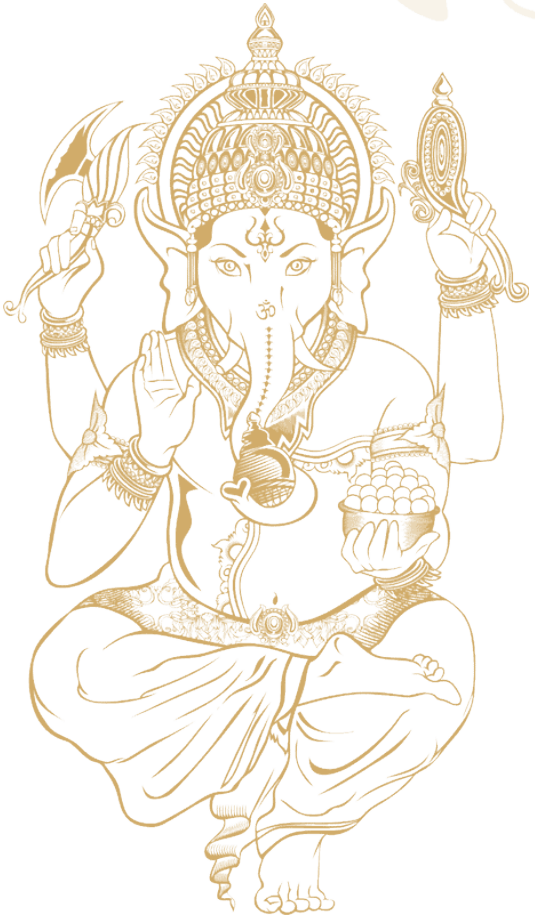

Prashn Shivangi

07 Jan 2026

03:01 PM

Lucknow

Model: web-freekundliweb

Order No: 120856827

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/01/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**15:01:00 घंटे**
इष्ट	20:10:36 घटी
स्थान	**Lucknow**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:50:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:54:36 घंटे
वेलान्तर	-00:06:10 घंटे
साम्पातिक काल	22:02:28 घंटे
सूर्योदय	06:56:45 घंटे
सूर्यास्त	17:28:48 घंटे
दिनमान	10:32:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	22:51:49 धनु
लग्न के अंश	19:50:00 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	आयुष्मान
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	19:50:00	359:30:34	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	केतु	---
सूर्य			धनु	22:51:49	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	15:02:06	13:14:45	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	23:22:53	00:46:14	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	14:18:34	01:33:52	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	26:17:08	00:08:04	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	23:01:56	01:15:29	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि			मीन	02:20:56	00:04:04	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:03:38	00:00:07	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:03:38	00:00:07	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:33:56	00:01:23	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:22:31	00:00:57	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:41:32	00:01:52	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	04:14:22	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

लग्न-चलित

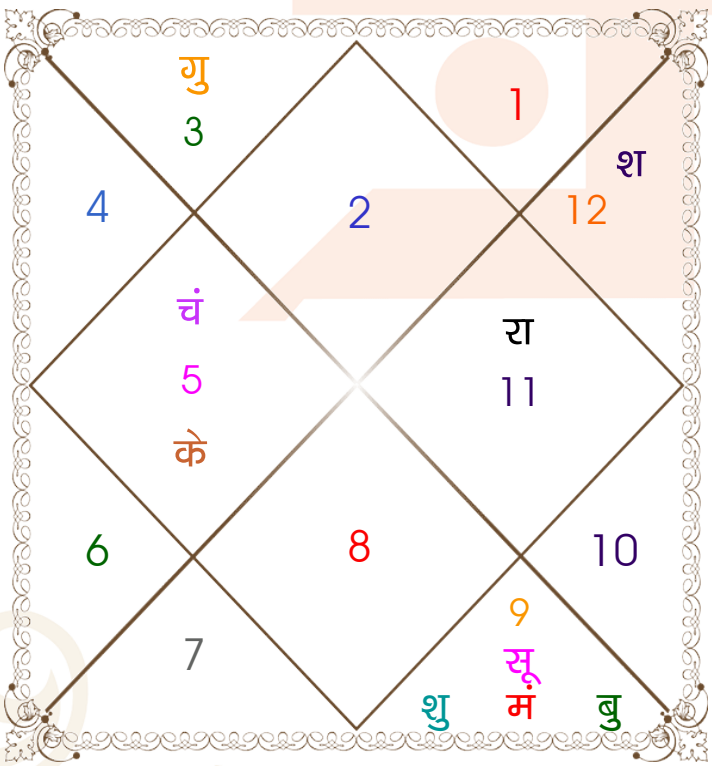

चन्द्र कुंडली

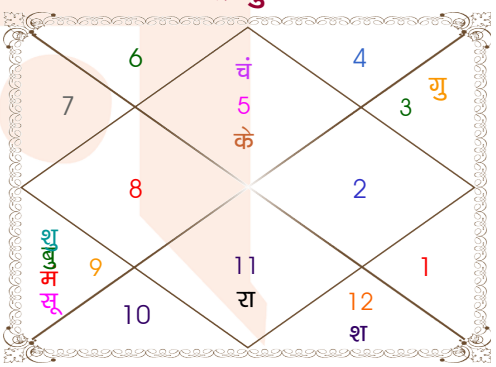

नवमांश कुंडली

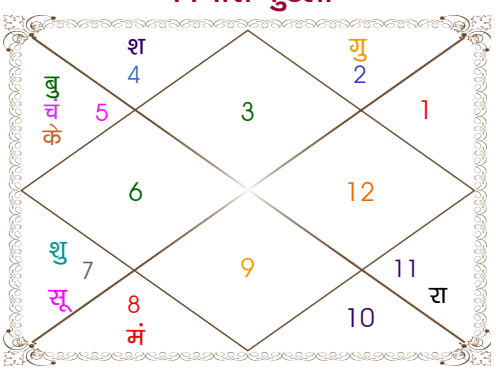

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 17 वर्ष 5 मास 11 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
07/01/2026		20/06/2043		19/06/2049		20/06/2059		19/06/2066	
20/06/2043		19/06/2049		20/06/2059		19/06/2066		19/06/2084	
शुक्र	19/10/2026	सूर्य	07/10/2043	चंद्र	20/04/2050	मंगल	16/11/2059	राहु	02/03/2069
सूर्य	19/10/2027	चंद्र	07/04/2044	मंगल	19/11/2050	राहु	03/12/2060	गुरु	26/07/2071
चंद्र	19/06/2029	मंगल	13/08/2044	राहु	20/05/2052	गुरु	09/11/2061	शनि	01/06/2074
मंगल	19/08/2030	राहु	08/07/2045	गुरु	19/09/2053	शनि	19/12/2062	बुध	19/12/2076
राहु	19/08/2033	गुरु	26/04/2046	शनि	20/04/2055	बुध	16/12/2063	केतु	06/01/2078
गुरु	19/04/2036	शनि	08/04/2047	बुध	18/09/2056	केतु	13/05/2064	शुक्र	06/01/2081
शनि	20/06/2039	बुध	12/02/2048	केतु	19/04/2057	शुक्र	14/07/2065	सूर्य	01/12/2081
बुध	20/04/2042	केतु	19/06/2048	शुक्र	19/12/2058	सूर्य	18/11/2065	चंद्र	01/06/2083
केतु	20/06/2043	शुक्र	19/06/2049	सूर्य	20/06/2059	चंद्र	19/06/2066	मंगल	19/06/2084

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
19/06/2084		20/06/2100		21/06/2119		20/06/2136		21/06/2143	
20/06/2100		21/06/2119		20/06/2136		21/06/2143		00/00/0000	
गुरु	07/08/2086	शनि	24/06/2103	बुध	16/11/2121	केतु	16/11/2136	शुक्र	08/01/2146
शनि	17/02/2089	बुध	03/03/2106	केतु	14/11/2122	शुक्र	16/01/2138		00/00/0000
बुध	26/05/2091	केतु	12/04/2107	शुक्र	13/09/2125	सूर्य	24/05/2138		00/00/0000
केतु	01/05/2092	शुक्र	11/06/2110	सूर्य	21/07/2126	चंद्र	23/12/2138		00/00/0000
शुक्र	31/12/2094	सूर्य	24/05/2111	चंद्र	20/12/2127	मंगल	21/05/2139		00/00/0000
सूर्य	19/10/2095	चंद्र	23/12/2112	मंगल	17/12/2128	राहु	08/06/2140		00/00/0000
चंद्र	17/02/2097	मंगल	31/01/2114	राहु	06/07/2131	गुरु	15/05/2141		00/00/0000
मंगल	24/01/2098	राहु	07/12/2116	गुरु	11/10/2133	शनि	24/06/2142		00/00/0000
राहु	20/06/2100	गुरु	21/06/2119	शनि	20/06/2136	बुध	21/06/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 17 वर्ष 5 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के तृतीय चरण में वृष लग्न के उदय काल हुआ था। जन्मकाल के समय ही मिथुन के नवमांश में कन्या द्रेष्काण भी उदित था। इस विन्दु पर जन्म के फलस्वरूप आपका जीवन सुखद, आरामदायक धन धान्य से पूर्ण आनंददायक जीवन व्यतीत होने की संभावनाओं का भी सृजन हुआ है।

आप व्यक्तिगत रूप से कठिन श्रम की भावना से समर्पित प्राणी हैं। आप अपने उद्य `श्यित कार्य को यथार्थता के साथ स्पष्ट रूप से संपादित करेंगे।

आप धन-धान्य की प्रर्याप्त प्राप्ति हेतु समझ से पूर्व नियत स्थान पर पहुंचने का निर्णय करेंगे। परंतु आप अपनी यह धारणा ग्रहण करें कि अतिरिक्त विकास एवं पूर्ण सफलता प्राप्ति हेतु अपने उद्देश्य का संपादन कर लेंगे। वास्तव में आपके लिए आकस्मिक रूप से मात्र आलस्यपूर्ण प्रवृत्ति का त्याग करना ही उत्तम होगा।

आप पहले से ही धन की महत्ता से परिचित हैं। आप कठिन श्रम एवं दुरुह रास्ते से धनोपार्जन करेंगे तथा धन के व्यय पर सतर्क भी रहेंगे। आप निश्चित रूप से बहुत उत्तम प्रकार के भौतिक सुख प्राप्ति हेतु, धनकोष का संग्रह करेंगे।

आप वित्तीय विषयक किसी भी प्रकार का दुरुपयोग सा सामंजस्य नही करेंगे।

आप अत्यंत धन संचय करने के लिए लोभ की पराकाष्ठा तक पहुंचे हुए प्राणी हैं। आप में पूर्ण विश्वसनीयता विद्यमान हैं। आप किसी का धन अनीतिपूर्ण ढंग से नही प्राप्त करना चाहते बल्कि आप धन प्राप्ति के लिए उपयुक्त सुअवसर पर ऐसा कार्यान्वयन करते हैं। क्योंकि सत्य तो यह है कि आप धन प्राप्ति संबंधी योजनाओं को सांसारिक रीति से बुद्धिमत्तापूर्वक समर्पित भाव से कार्य रूप देते हैं। साथ ही अन्य लोगों को भी धन प्राप्ति के लिए मार्ग दर्शन करते हैं।

आप किसी के साथ छेड़खानी करना या किसी पर आक्रमण करने पर विश्वास नही करते। आप एक आस्तिक प्राणी हैं। आप अपनी स्पष्ट वादिता पूर्वक संतोषजनक सफलता या, निकटता हेतु किसी को भी तरजीह देते हैं। परंतु जब कोई किसी भी समय या अवसर पर कोई शत्रुता पूर्वक आप से इर्ष्या करता है तो आप उसके प्रगति के पथ पर अवरोधक उत्पन्न करने का प्रयास करते हैं। आपका प्रदर्शन बाधा पूर्ण एवं विध्वांसात्मक रूप से व्यवधान कारक हो जाता हैं अस्तु आप अपने धैर्य को सीमा के बाहर जाने के लिए सतर्क रहें। अर्थात् अपने धैर्य का संतुलन बनाए रक्खें।

आप स्वाभाविक रूप से यांत्रिक कला में दक्ष एवं परिश्रम तथा समुचित खोजकर अपने लक्ष्य तक पहुंचने वाले प्राणी हैं। आप सामान्यतया प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु उपयुक्त हैं। यथा होटल प्रबंधक, अथवा सौंदर्य प्रसाधित व्यवसाय आदि तथा आपकी रूचि साहित्यिक भावनानुसार हो, तों आप उच्च कोटि के लेखक भी हो सकते है यदि आप में लेखन कला एवं क्षमता विद्यमान हो। यद्यपि आप मध्यम कद के ऊंची कंधे वालें, उभरी छाती, उन्नत ललाट एवं

चमकीली आखों से युक्त सुंदर व्यक्तित्व के जीव हैं। आप से विपरीत योनि के प्राणी (स्त्री) आकर्षित रहेंगी।

आपका पारिवारिक जीवन अति आनंददायक साथ-साथ कठिन एवं कोई न कोई आर्थिक समस्याओं से सदैव युक्त रहेगा। साथ ही आपका पारिवारिक जीवन सुव्यवस्थित रहेगा। आप अपने नजदीकी और प्रियजनों को यथेष्ठ प्यार और सम्मान देंगे। आप अपने गले के रोग एवं टोनशील रोग के प्रति रक्षात्मक भावना रक्खें तथा कफ जनित तथा शीत प्रकोप से गले में होने वाले कष्ट तथा रोगों एवं पैरों की सूजन तथा दर्द की रक्षा हेतु सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

इसके अतिरिक्त आपके लिए अंक 2 तथा 8 अंक लाभदायक है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्यागनीय है। इसी प्रकार लाल रंग भी आपके लिए प्रतिकूल है। जबकि, आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग हरा, सफेद एवं गुलाबी रंग है।